गजब रीत चली कलयुग में राम राम राम भजन लिरिक्स

गजब रीत चली कलयुग में,
राम राम राम,
गजब रीत चली।bd।

जन्मदिन पर पूजा पाठ ना किया,
कटबा दयै केक और बुजवा दये दिया,
गजब रीत चली,
अजब रीत चली कलयुग में,
राम राम राम,
गजब रीत चली।bd।

मम्मी से मोम कहै पिताजी से डेड,
मैया को चटाई बीवी को डबल बेड,
गजब रीत चली,
अजब रीत चली कलयुग में,
राम राम राम,
गजब रीत चली।bd।

लड़कन ने कटवा कन कन के बाल,
लड़का और लड़की में रही पहचान,
गजब रीत चली,
अजब रीत चली कलयुग में,
राम राम राम,
गजब रीत चली।bd।

गजब रीत चली कलयुग में,
राम राम राम,
गजब रीत चली।bd।

गायक – गोलू ओझा।
प्रेषक – सुरेश धाकड़ बाला खेड़ा।
9753145644

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com